नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

कोरोना वायरस : नया वेरिएंट, नई चुनौती

भारत एक बार फिर कोरोना संक्रमण की हल्की लेकिन अहम दस्तक से दो-चार हो रहा है .वायरस की वापसी इस बार जेएन.1 और बीए .2 .86 जैसे नए ओमिक्रॉन वेरिएंट्स के रूप में हुई है . देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या अब भी सीमित है,लगभग 323 एक्टिव केस, लेकिन संक्रमण की यह धीमी रफ्तार भी चेतावनी के स्वर में है .

मध्यप्रदेश में फिलहाल 6 एक्टिव केस दर्ज हुए हैं . इनमें अकेले इंदौर में 5 मरीजों की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने की है, जबकि एक मरीज उज्जैन से सामने आया है .इंदौर की स्वास्थ्य व्यवस्था इस समय चौकन्नी है, लेकिन राजधानी भोपाल की स्थिति कुछ और ही कहानी कहती है .भोपाल के जेपी अस्पताल और गांधी मेडिकल कॉलेज में अब तक कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच शुरू नहीं हो पाई है . अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अभी तक स्वास्थ्य विभाग से जांच संबंधी आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं .केवल एम्स भोपाल में कोविड जांच और प्रबंधन की व्यवस्था सक्रिय रूप से लागू है .

चौंकाने वाली बात यह है कि गांधी मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित स्टेट वायरोलॉजी लैब, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 5 करोड़ रुपए की आधुनिक जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन सौंपी गई थी, वह मशीन आज भी उपयोग की बाट जोह रही है . लैब प्रशासन ने आरटी-पीसीआर किट्स की कमी की ओर भी शासन का ध्यान दिलाया है .यह सब उस समय हो रहा है जब वायरस की प्रकृति को समझने और उसके प्रसार की दिशा जानने के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग सबसे अहम माध्यम है .

जेएन.1 वेरिएंट, ओमिक्रॉन के बीए .2 .86 का सब-वेरिएंट है .यह सबसे पहले अगस्त 2023 में सामने आया था और दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे %वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट% घोषित किया . इसमें लगभग 30 म्यूटेशन हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करते हैं .

अमेरिका की जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार, यह वेरिएंट बहुत तेजी से फैलने वाला जरूर है, लेकिन इससे होने वाली बीमारी सामान्यतः गंभीर नहीं होती .इसके लक्षण कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक रह सकते हैं, और यदि लंबे समय तक बने रहें तो यह लॉन्ग कोविड का संकेत हो सकता है . हालांकि

भोपाल एम्स के वरिष्ठ चिकित्सकों ने स्पष्ट किया है कि भले ही यह वेरिएंट गंभीर न हो, लेकिन यह लापरवाही की अनुमति नहीं देता . उनका कहना है कि जितना ज्यादा हम संक्रमित मरीजों की पहचान कर पाएंगे और उनके सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग कर पाएंगे, उतनी ही प्रभावी हमारी रणनीति होगी .

यह जरूरी है कि राज्य सरकार जांच की प्रक्रिया में तेजी लाए और स्वास्थ्य संस्थानों को उचित संसाधन और स्पष्ट निर्देश तत्काल उपलब्ध कराए जाएं . कुल मिलाकर हमें याद रखना चाहिए कि महामारी की पिछली लहरों में हमने जिस अनुशासन और सहयोग से काम लिया था, वही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है . देश के नागरिकों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन स्वस्थ नागरिक होने की जिम्मेदारी को फिर से अपनाने की आवश्यकता है . यह वायरस हमारे शरीर से अधिक हमारी लापरवाही पर हमला करता है . मास्क, हाथ धोने की आदत, भीड़ से बचाव—ये सब आज फिर से हमारे स्वास्थ्य कवच बनने चाहिए . मीडिया की भूमिका यहां भय नहीं, सजगता का संदेश देने की है, और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि वे समय रहते निर्णय लें .

हमें न कोई अफवाह फैलानी है, न ही शांति का मुखौटा पहनकर सो जाना है . यह समय है संतुलित सतर्कता का,न तो अति-संवेदनशीलता, न ही उदासीनता .दरअसल, देश का अधिकांश हिस्से में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है . ऐसे में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए . भीड़भाड़ वाली जगह पर मास्क लगाकर जाना चाहिए . ध्यान रखना चाहिए कि सावधानी ही इसका सबसे प्रभावी उपचार है .

ट्रेकोमा-मुक्त घोषणा

दवा से परे टीबी का उपचार

डॉ . मनीषा वर्मा
अपर महानिदेशक (मीडिया), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

> जैसे-जैसे देश टीबी-मुक्त भारत की ओर अग्रसर हो रहा है, इन प्रमुख उत्प्रेरकों और जन-भागीदारी की भावना के बीच निरंतर तालमेल सर्वोपरि होगा . सूचना देने, प्रेरित करने और लोगों को संगठित करने की उनकी संयुक्त शक्ति निस्संदेह भारत की सबसे बड़ी संपत्ति है . प्रौद्योगिकी का रणनीतिक लाभ उठाकर, नवीन संचार रणनीतियों को बढ़ावा देकर और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करके, भारत केवल एक बीमारी को खत्म करने का प्रयास नहीं कर रहा है, वह एक स्वस्थ, अधिक सक्रिय समाज का भी निर्माण कर रहा है जहां हर नागरिक जागरूक है, हर रोगी को सहायता दी जाती है और जहां टीबी वास्तव में अतीत की बात बन जाती है .

जिनेवा में हाल ही में संपन्न विश्व स्वास्थ्य सभा में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के भारत को ट्रेकोमा-मुक्त घोषणा करना, केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि नहीं है. यह सामूहिक राष्ट्रीय इच्छाशक्ति का एक उत्कृष्ट प्रमाण है. स्वच्छता, सफाई और जागरूकता में दशकों के सक्रिय प्रयासों से प्राप्त यह उपलब्धि, इस बात का परिचायक है कि भारत तपेदिक (टीबी) से किस प्रकार निपट रहा है. वास्तव में, ट्रेकोमा पर जीत की गूंज, टीबी-मुक्त भारत की दिशा में राष्ट्र के महत्वाकांक्षी अभियान में दृढ़ता को दर्शाती है.

जिस तरह मौलिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सिद्धांतों पर निरंतर ध्यान ने ट्रेकोमा के खिलाफ लड़ाई को रेखांकित किया, उसी तरह टीबी के खिलाफ वर्तमान लड़ाई भी समान रूप से व्यापक और महत्वपूर्ण रूप से गहराई से निहित जनभागीदारी यानी लोगों की भागीदारी के सिद्धांत के साथ लड़ी जा रही है. यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह सरकार की रणनीति का आधार है. हाल ही में शुरू किया गया 100- दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान इस संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है. इस अभियान के अंतर्गत 12 करोड़ 97 लाख लोगों की जांच की गई और 7 लाख 19 हजार से अधिक टीबी रोगियों की जानकारी दी गई.

लेकिन जो बात इस प्रयास को अलग बनाती है, वह है टीबी के सामाजिक लक्षणों को खत्म करने की समानांतर प्रतिबद्धता. 13 करोड़ 46 लाख नि-क्षय शिविर या सामुदायिक जांच और जागरूकता शिविरों का आयोजन, इस मान्यता के बारे में बहुत कुछ कहता है कि प्रभावी उपचार, दवा से परे कलंक, मिथकों और गलत सूचनाओं के उन्मूलन तक फैला हुआ है.

टीबी उन्मूलन के संदर्भ में जन-भागीदारी जीवंत और बहुआयामी है. यह एक ऐसा तंत्र है जो आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के अथक समर्पण का समर्थन करता है, जो दूरदराज के गांवों में संपर्क का सबसे मूल्यवान माध्यम हैं. वे संभावित मामलों की पहचान करने, उपचार नियमों का पालन सुनिश्चित करने और महत्वपूर्ण पोषण सहायता प्रदान करने वाले गुमनाम नायक हैं. इस नींव पर स्थानीय स्वयं-सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों और आस्था-आधारित संगठनों द्वारा संसाधनों को जुटाने से महत्वपूर्ण रोगी सहायता नेटवर्क स्थापित करके समुदाय-नेतृत्व वाले इस प्रयास को और मजबूती मिलती है.

हालांकि, अग्रिम पंक्ति के इन योद्धाओं के मैदान में उतरने से पहले ही, भारत के सशक्त मीडिया द्वारा जमीन तैयार की जा रही है. 100 दिवसीय अभियान का आकर्षक नारा, 'जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान', सिर्फ़ एक आकर्षक मुहावरा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय आह्वान है जो असंख्य स्थानीय भाषाओं में टेलीविजन, रेडियो और सार्वजनिक स्थानों पर गूंज रहा है. इस व्यापक जागरूकता सृजन को अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया गया है जिसमें माननीय प्रधानमंत्री सहित सरकार के सर्वोच्च स्तर के अधिकारी लगातार भारत की प्रगति का आधार रख रहे हैं. माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के तत्वावधान में एक संपूर्ण-सरकार का दृष्टिकोण जिस तरह से मंत्रालयों में सहयोग को बढ़ावा दे रहा है और राज्य स्तर पर सक्रिय प्रयास जारी है, वह एकीकृत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है. टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई की एक और आधारशिला, इसकी पंचायती राज संस्थाओं की व्यापक पहुंच है. 2,50,000 से ज़्यादा पंचायतें टीबी उन्मूलन को चर्चा में ला रही हैं और सरपंचों तथा ग्राम प्रधानों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के अग्रणी के रूप में शामिल कर रही हैं. टीबी के बारे में अब खुलकर चर्चा की जाती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण स्तर पर इस पर कार्रवाई की जाती है.

सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोगी के रूप में मीडिया- इस महान प्रयास में मीडिया की भूमिका अपरिहार्य है. सरकारी पहलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और समुदाय द्वारा संचालित उपायों की प्रेरक कहानियों पर प्रकाश डालकर, मीडिया जनता का विश्वास बढ़ाता है और देखभाल के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है. यह विकेंद्रीकृत, जन-केंद्रित मॉडल निक्षय-मित्र पहल के रूप में अपनी अभिव्यक्ति को उजागर करता है. पोषण और टीबी उपचार परिणामों को जोड़ने वाले भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साक्ष्य के बारे में व्यापक मीडिया कवरेज ने सामुदायिक कार्रवाई की एक शक्तिशाली लहर को प्रज्वलित किया, जिससे निगम, गैर-सरकारी संगठन, व्यक्ति और यहां तक कि बच्चे भी निक्षय मित्र बनने के लिए आगे आए.

महाकौशल की डायरी

वर्तमान और पूर्व पार्षद के बीच की लड़ाई सड़क पर आई

अविनाश दीक्षित

ये कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि जब अपने ही दुश्मन निकले तो बाहरी वालों की क्या जरूरत.. जी हां ये लाइन इन दिनों जिला कांग्रेस कमेटी के नेता, पार्षदों पर बिल्कुल सूट होते नजर आ रही है. क्योंकि उन्हें इन दिनों विरोधी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के विरोध का नहीं बल्कि खुद कांग्रेस पर पार्टी के ही नेता, पार्षदों का विरोध भारी पड़ रहा है. कांग्रेस में यह हाल तब हैं जब इसी हफ्ते जय हिंद सभा के लिए पार्टी की राष्ट्रीय नेत्री प्रियंका गांधी जबलपुर आने वाली हैं. प्रियंका गाँधी की सभा के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य शीर्ष नेता बड़ी तैयारियों में जुटे हैं, वहीं पार्षद स्तर के नेताओं के मनमुटाव से पार्टी की किरकिरी हो रही है. दूसरी तरफ भाजपा के नेता कांग्रेस के इस बिखराव व विवाद के मजे लेते नजर आ रहे हैं.

स्मरण रहे कि कुछ रोज पहले कांग्रेस पार्षद अनुपम जैन के द्वारा एमआईसी की बैठक में सार्वजनिक रूप से भाजपा वरिष्ठ नेता व लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के कार्यों की जमकर तारीफ करके कांग्रेस पार्टी के अनुशासन की लिमिट को पार करने का मामला शांत हुआ नहीं था कि अब कांग्रेस के पार्षद शफीक हीरा और पूर्व पार्षद ताहिर अली का आपसी विवाद

सामने आया है. मतलब साफ है कि जिला कांग्रेस में कांग्रेस पार्टी का अनुशासन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है. अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मंत्री की तारीफ करने वाले कांग्रेस नेता अनुपम जैन पर पार्टी आलाकमान स्तर पर अनुशासन को लेकर किसी तरह का अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया. कांग्रेस के दिग्गजों ने तो यह भी कहा था कि कांग्रेस नेता अनुपम जैन भाजपा की मदद अंदरूनी तौर पर कर रहे हैं तो पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन क्यों नहीं करते. हाल ही में पूर्व विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मोतीलाल नेहरू वार्ड में कांग्रेस के पूर्व पार्षद, राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि ताहिर अली और वर्तमान पार्षद शफीक हीरा के बीच विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक दूसरी पर तमाम तरह के आरोप लगा दिए. विरोध सार्वजनिक हुआ तो नगर निगम में राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि पद से पूर्व पार्षद ताहिर अली से सफाई देते हुए इस्तीफा देना पड़ गया.

कांग्रेस को डैमेज करने का किया जा रहा प्रयास...

मोतीलाल नेहरू वार्ड के गाजी नगर में असामाजिक तत्व जुआ, सट्टा, स्मैक का अड्डा बनाने संगठित रूप से सक्रिय हैं, जिनमें कुछ कांग्रेस नेता उनका सपोर्ट कर रहे हैं. मैंने विरोध किया तो मेरे खिलाफ गाजी नगर की गरीब जनता और महिलाओं को मजबूर करके 2016 में बनी लेमा गार्डन आवास योजना में 40 हजार रुपये लेने का झूठा आरोप लगाए गए और फिर उसकी आड़ में पूर्व पार्षदों, वर्तमान कांग्रेस विधायक और राज्यसभा सांसद को सीधे तौर पर बदनाम कर यहां से कांग्रेस को पूरी तरह डैमेज किया जा रहा है. ये बातें पूर्व पार्षद ताहिर अली पत्रकारवार्ता में कर ही रहे थे कि पत्रकारवार्ता कक्ष के बाहर पहुंचीं कुछ महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ताहिर अली मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए जो कि शहर में काफी चर्चा का विषय रहा. पूर्व पार्षद का कहना था कि वर्तमान कांग्रेस के पार्षद शफीक हीरा गंदी राजनीति कर रहे हैं, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. फिलहाल कांग्रेस नेताओं के आपसी द्वन्द की चर्चा लोग चटखारे लेकर कर रहे हैं.

जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव क्यों नहीं

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु और असम में राज्यसभा की 8 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा गुजरात, पंजाब, केरल व बंगाल की 5 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव कार्यक्रम घोषित किया है. जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 2 सीटें 6 माह से अधिक समय से रिक्त पड़ी हैं. वहां से राज्यसभा की 4 सीटें भी खाली हैं. जम्मू-कश्मीर विधानसभा का चुनाव होने के बाद से 8 महीने बीत गए, लेकिन इन सीटों पर उपचुनाव नहीं कराया गया. सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस और विपक्षी पार्टी पीडीपी ने सवाल किया है कि जम्मू-कश्मीर को क्यों अपवाद रखा गया है? वहां राज्यसभा की 4 सीटें तो 2021 से रिक्त हैं, क्योंकि तब राष्ट्रपति शासन लगाया गया था. विधानसभा में 5 सदस्यों को मनोनीत करने के उपराज्यपाल के अधिकार को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी. इन 5 मनोनीत सदस्यों को मिलाकर विधानसभा सदस्यों की कुल संख्या 95 हो सकती थी. दलील दी गई कि यह 5 सीटें रिक्त होने से राज्यसभा की 4 सीटों का चुनाव नहीं कराया जा सकता. इस तर्क के बावजूद विधानसभा की 2 रिक्त सीटों पर उपचुनाव क्यों नहीं कराया जा रहा है? इनमें से एक सीट मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की वजह से रिक्त हुई. क्योंकि उन्होंने 2 जगह से चुनाव लड़ा था. दूसरी रिक्त सीट बीजेपी की है. संभवतः पहलगाम में हुए आतंकी हमले की वजह से जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव टालने की सलाह दी गई होगी. इस पर चुनाव आयोग की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद से कश्मीर अन्य राज्यों की तुलना में अपवाद नहीं रह गया. केंद्र सरकार भी बार-बार दावा करती रही है कि कि वहां निवेश और पर्यटन बढ़ा है. उपचुनाव टलने से जनता में अलगाव की भावना आती है. 1951 के जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार लोकसभा या विधानसभा की सीट खाली होने पर 6 माह के भीतर उपचुनाव करा लिए जाना चाहिए.

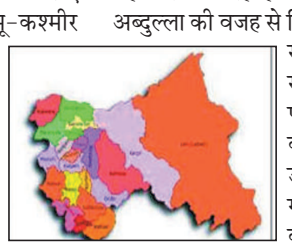

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

अगर संतोषजनक सेवा चाहो टिपटॉप रहो, टिप भी दो

पड़ोसी ने कहा, %निशानेबाज कुछ में खाते हैं, लेकिन बैरे को टिप नहीं देते. सिर्फ बिल की रकम देकर निकल जाते हैं. हमारा ख्याल है कि अच्छी, कुशल और संतोषजनक सेवा के लिए टिप देनी चाहिए. खुद टिपटॉप रहेंगे और टिप नहीं देंगे, यह भी कोई बात है!

हमने कहा, जब कोई बैरा तत्परता से आपको परोस रहा है और आपके हर ऑर्डर को ध्यान से सुनकर विनम्रता से अपनी ड्यूटी बजा रहा है, तो बिल के अलावा उसके लिए कुछ रकम छोड़ देनी चाहिए, अमेरिका में तो कदम-कदम पर टिप देनी पड़ती है. होटल के कमरे तक आपका सामान पहुंचाने वाले बेल बॉय या बेल कैप्टन को थैंक यू कहकर 2 या 3 डालर तुरंत दे देने चाहिए. वह बोलेगा नहीं लेकिन उम्मीद रखेगा. अपने यहां भी किसी खास होटल, गेस्ट हाउस या क्लब में जाने वाले लोग वहां के बैरे को टिप देकर खुश रखते हैं. इससे वह अच्छी सर्विस देता है और यदि आपने जरूरत से ज्यादा खाना मंगवा लिया है, तो जाते समय उसे पैक करके दे भी देता है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ग्राहक टिप देगा या नहीं यह

सोचकर टैक्सी सेवा देने वाली कंपनी उबर ने एडवांस टिप का फीचर शुरू किया है. यदि आप चाहते हैं कि टैक्सी तुरंत आपको पिकअप करने आए, तो एप में टिप जोड़ दीजिए. टिप की पूरी रकम ड्राइवर को मिल जाती है. एक बार टिप जोड़ने पर उसे बदला नहीं जा सकता. रैपिडो ने यह टिप वाला फीचर 2023 में शुरू किया और उबर ने अप्रैल 2025 से लागू कर दिया. इसी तरह ओला ने भी कहा है कि यदि ग्राहक किराए में टिप जोड़ देंगे, तो राइड जल्दी मिल जाएगी. किसी बस्ती में टैक्सी की ज्यादा मांग होने से घर पर गाड़ी आने में टाइम लग सकता है इसलिए स्वेच्छा से टिप जोड़कर जल्दी गाड़ी बुलाई जा सकती है. ग्राहक की टिप सीधे ड्राइवर को मिलती है, इसलिए कंपनी को उस रकम पर 5 प्रतिशत जीएसटी नहीं चुकाना पड़ता. इसके अलावा ऑटोवालों से किराए के लिए सौदेबाजी करने की बजाय सीधे कैब बुला लेना बेहतर रहता है.

हमने कहा, ग्राहकों के भी अधिकार होते हैं. अजेंसी के नाम पर उनसे ज्यादा पैसा वसूलने की चाल चली जाती है. कभी बुकिंग के समय बताए गए किराए से ज्यादा रकम मांगी जाती है. उबर की नई एडवांस टिप पर सरकार की नजर है.

शब्द-सागर : डॉ . सागर खादीवाला

CROSS WORD 11917 - डॉ. सागर खादीवाला

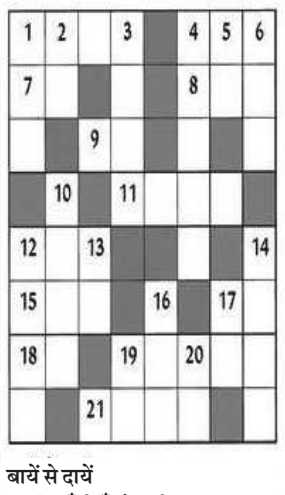

बायें से दायें

1. सुंदर हँसी हँसनेवाली, मधुर मुस्कान युक्त (सं.) 4. नाता, वास्ता, जुड़ना, मिलना 7. रखने वाला, पत्नी, सूली (उर्दू) 8. बाजा बजाने वाला 9. आग 11. संबंधी, नातेदार 12. पैर में पहनने का एक गहना जो चलने पर झनझनाता है 15. असभ्य, मूर्ख 17. साहूकार, भला आदमी, साधु, धनी 18. लंबा-चौड़ा, विस्तार वाला, महत्व का 19. समकालीन राजाओं में सबसे बड़ा फिल्म 21. साथ रहना (सं.)

ऊपर से नीचे

1. श्रीकृष्ण के एक सहपाठी जो बहुत दरिद्र थे 2. पराजय, माला 3. दक्षिण भारत के एक पर्वत का नाम 4. संवाद या समाचार देने वाला 5. अवरुद्ध, समान, रुका हुआ 6. दहकना 10. राज्य, देशी रियासत 12. वह धर्माचार्य जो ईश्वर का संदेश मानव मात्र को सुनाने आता है, नबी (उर्दू) 13. जल, पानी, रस (सं.) 14. रुकना, थमना, टिकना 16. एक पेड़ का बीज जिसे कूट कर चाय के समान पीते हैं. 17. छाया, छांह, परछाई 19. श्रेष्ठतर, शतरंज के खेल में ऐसी चाल जिससे वादशाह पर घात पड़ती है. 20. वनस्पतियों-फलों आदि का निचोड़ा हुआ तरल अंश, स्वाद

Solution 11916

प	र	व	रि	श		ऊ	न
दा		ज		क	स	ब	ल
धि	रा	ना		र	त		
का	ई		क	पा	ल	क्रि	या
री		व	न	रा	ज		कू
	आ		खि			रा	त
म	हा	मा	या		प	क्ष	
न	र	मा	ना		र	स	ज्ञ

ज्योतिषाचार्य पं . नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म .प्र .)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा कार्य में अचानक यात्रा हो सकती है, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन खिन्न रहेगा, व्यापार में व्यय और भागदौड़ एवं वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव हो सकता है, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, व्यय में नियंत्रण रखकर कार्य करें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंको कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का सहयोग रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्य में ख्याति प्राप्त होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियोंको प्रोत्साहन प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निज नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, एवं मिलनसार होगा, अपने कार्य में किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा, सेवा की भावना इनमें अधिक होगी, इनका सादा और आदर्शवादी जीवन रहता है, माता पिता का आदर करते हैं.

उदयकालीन ग्रह चाल

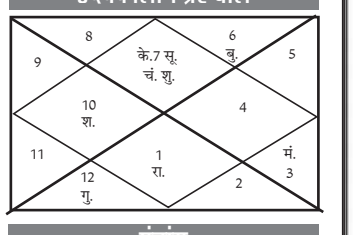

पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2082 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी भृगुवासरे रात 1/15, पुनर्वसु नक्षत्रे रात 1/34, गण्ड योगे शाम 4/57, वणिज करणे सू.उ. 5/17 सू.अ. 6/43, चन्द्रचार मिथुन रात 7/43 से कर्क, पर्व-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कपास के भाव में नरमी का रूख रहेगा, गुड़, खांड़, में समता रहेगी, गेहूँ, जौ, चना, मं मंदी रहेगी, जूटपाट बारदाना, के भाव में उठाव रहेगा, भाग्यांक 2614 है.

मेष- मन धनलाभ की नईयुक्तियों की ओर केन्द्रित रहेगा, कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से मतभेद संभव, आलस्य त्याग करें, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा.

वृषभ- मन पर नियंत्रण रखकर अपने कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दें, थोड़ा संयमी व धैर्यवान रहें, नवीन कार्य बनेगा, खानपान पर संयम रखें.

मिथुन- नई सामाजिक व्यस्ततायें सामने आयेंगी, महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयास तीव्र होगा, आय से अधिक धन व्यय होगा, नई संपत्ति क्रय पर विचार होगा.

कर्क- धार्मिक एवं पारंपरिक कार्यों की ओर मन केंद्रित होगा, रोजगार के क्षेत्र में आपकी क्षमता का लाभ होगा, भाग्यवर्धक समाचार की प्राप्ति होगी.

सिंह- राजकीय क्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे, प्रियजनों का सानिध्य मिलेगा, नई सफ्लता के आसार बढ़ेंगे, मनोरंजक यात्रा संभाव्य जिससे मन प्रसन्न रहेगा.

कन्या- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, व्यर्थ के तनाव मन पर प्रभावी रहेंगे, आय से अधिक धन व्यय होगा, सोचे हुये कार्य में बाधा आयेगी.

तुला- पुराने कष्टों को भूलकर वर्तमान को बेहतर बनायें, खरीदी पर विशेष खर्च होगा, पारिवारिक सुख और शांति रहेगी, व्यापार में लाभ होगा.

वृश्चिक- नई आकांक्षायें मन को उद्वेलित करेंगी, पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, आर्थिक चिन्ता रहेगी, पारिवारिक पीड़ा होगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

धनु- जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है, नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा, मान सम्मान मिलेगा, शत्रुओं की गतिविधियों पर सतर्कता व नियंत्रण रखें.

मकर- छोटी सी बात से संबंधों में खटास आ सकती है, खर्च पर नियंत्रण रखें. वाहन आदि का प्रयोग करते समय सावधानी रखें. कार्यों में सफ्लता मिलेगी.

कुम्भ- लाभ के अच्छे अवसर सामने आयेंगे, पारिवारिक जबावदारी पूरी होगी, परीक्षा प्रतियोगिता में सफ्लता मिलेगी, अधिक विश्वास पीड़ादायक रहेगा.

मीन- परिवार में विरोध का सामना करना पड़ सकता है, भावुकता में निर्णय न लें, व्यवसायिक प्रयास सफ्ल होंगे, विशिष्टजनों का सहयोग रहेगा.

SUDOKU 7049

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7048

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1